षष्ठम् माला, खंड I, अंक 2, शनिवार, 26 मार्च, 1977/5 चैत्र, 1899 (शक)

Sixth Series, Vol. I No. 2, Saturday, March 26th, 1977/Chaitra 5, 1899 (Saka)

लोक-सभा वाद-विवाद

का

संक्षिप्त अनूदित संस्करण

SUMMARISED TRANSLATED VERSION

OF

6th

LOK SABHA DEBATES

[पहला सत्र / First Session]

सत्यमेव जयते

[खंड 1 में अंक 1 से 11 तक हैं / Vol. I Contains Nos. 1 to 11]

लोक-सभा सचिवालय

नई दिल्ली

LOK SABHA SECRETARIAT

NEW DELHI

मूल्य : चार रुपये

Price : Four Rupees

[यह लोक सभा वाद-विवाद का संक्षिप्त अनूदित संस्करण है और इसमें अंग्रेजी हिन्दी में दिये गये भाषणों आदि का हिन्दी/अंग्रेजी में अनुवाद है।

This is translated version in a summary form of Lok Sabha Debates and contains Hindi/English translation of speeches etc. in English/Hindi]

विषय-सूची CONTENTS

अंक 2, शनिवार, 26 मार्च, 1977/5 चैत्र, 1899 (शक)

No. 2, Saturday, March 26, 1977/Chaitra 5, 1899 (Saka)

विषय	Subject	पृष्ठ PAGES
सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण	Members sworn . . .	1
अध्यक्ष का निर्वाचन	Election of the Speaker . . .	2
अध्यक्ष महोदय को बधाई—	Felicitations to the Speaker—	
श्री मोरारजी देसाई	Shri Morarji Desai .	2—3
श्री यशवन्तराव चव्हाण	Shri Yashvantrao Chavan . .	3
श्री जगजीवन राम	Shri Jagjivan Ram . . .	3
श्री पी० के० देव	Shri P. K. Deo	3
श्री जार्ज जे० मैथ्यु	Shri George J. Mathew .	4
श्री समर मुखर्जी	Shri Samar Mukherjee .	4
श्री पी० जी० मावलंकर	Shri P. G. Mavalankar .	4
श्रीमती पार्वती कृष्णन	Shrimati Parvathi Krishnan .	4
श्री अरविन्द बाला पजनौर	Shri Aravinda Bala Pajanner	4
श्री लक्ष्मी नारायण नायक	Shri Laxmi Narain Nayak	5
श्री ए० वी० पी० असाइ तम्बी	Shri A. V. P. Asai Thambi .	5
अध्यक्ष महोदय	Mr. Speaker	5—6
मंत्रियों का परिचय	Introduction of Ministers . .	6
निधन सम्बन्धी उल्लेख—	Obituary Reference—	
(भारत के राष्ट्रपति, श्री फ़खरूद्दीन अली अहमद का निधन)	(Death of Shri Fakhruddin Ali Ahmed, President of India)	
श्री मोरारजी देसाई	Shri Morarji Desai .	6—7
श्री यशवन्तराव चव्हाण	Shri Yashwantrao Chavan . .	7
श्री जगजीवन राम	Shri Jagjivan Ram . . .	7
श्री समर मुखर्जी	Shri Samar Mukherjee . . .	7
श्री के० माया तेवर	Shri K. Maya Thevar . . .	7
श्री जी० एम० बनटवाला	Shri G. M. Benatwal'a	8
श्रीमती पार्वती कृष्णन	Shrimati Parvathi Krishnan . . .	8
श्री समर गुह	Shri Samar Guha	8
श्री पी० के० देव	Shri P. K. Deo	8
श्री सकारिया थोमस	Shri Skariah Thomas	1
श्री बलबीर सिंह	Shri Balbir Singh	8
श्री पी० जी० मावलंकर	Shri P. G. Mavalankar	8—9

लोक सभा

LOK SABHA

शनिवार, 26 मार्च, 1977/5 चैत्र, 1899 (शक)

Saturday, March 26, 1977, Chaitra 5, 1899 (Saka)

लोक सभा ग्यारह बजे समवेत हुई

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[सामयिक अध्यक्ष (श्री डी० एन० तिवारी) पीठासीन हुये]

[The Speaker pro tem (Shri D. N. Tiwary) in the Chair]

Mr. Speaker: I will call the names of those Members who have to take oath or make affirmation.

सदस्यों द्वारा शपथ-ग्रहण

MEMBERS SWORN

श्री चरण नरजरी (कोकराझाड़)

श्री जार्ज० जे० मैथ्यू (मुवत्तुपुजा)

श्री मदन भय्या (जंजगीर)

श्री गोविन्द राम मिरी वकील (सारंगढ़)

श्री केशवराव शंकरराव धोंडगे (नान्देड़)

श्री खगपति प्रधानी (नवरंगपुर)

श्री कीरित विक्रम किशोर देव वर्मा (त्रिपुरा पूर्व)

श्री चन्द्र पाल सिंह (अमरोहा)

श्रीमती शांति देवी (सम्भल)

श्री फिरंगी प्रसाद (वांसगांव)

श्री शिव सम्पत (राबर्टस गंज)

श्री समर गुह (कोन्टाई)

श्री ब्रह्म प्रकाश (बाह्य दिल्ली)

अध्यक्ष का निर्वाचन

Election of Speaker

Mr. Speaker: Shri Morarji Desai will now move his motion.

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : मैं प्रस्ताव करता हूं :—

"कि श्री नीलम संजीव रेड्डी को, जो इस सभा के सदस्य हैं, इस सभा का अध्यक्ष चुना जाए ।"

Mr. Speaker: Shri Yashwantrao Chavan will second the motion.

श्री यशवन्तराव चव्हाण : मैं प्रधानमंत्री के प्रस्ताव का समर्थन करता हूं ।

Mr. Speaker: Motion moved:

"That Shri N. Sanjiva Reddy, a Member of this House, be chosen as the Speaker of this House".

Mr. Speaker: I will now put the Motion before the House. The question is:

"That Shri N. Sanjiva Reddy, a Member of this House, be chosen as the Speaker of this House".

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

The motion was adopted

Mr. Speaker: I am very happy to invite Shri N. Sanjiva Reddy to take the Chair. Shri N. Sanjiva Reddy is not new to the House. He had been the Speaker of this House after the year 1967 and had carried out his functions with great ability. May God help him in discharging his duties in an impartial manner.

प्रधानमंत्री तथा श्री यशवन्तराव चव्हाण श्री एन० संजीव रेड्डी को अध्यक्ष पीठ तक ले गए ।

Shri N. Sanjiva Reddy was conducted to the Chair by the Prime Minister and Shri Yashvantrao Chavan.

[अध्यक्ष महोदय (श्री एन० संजीव रेड्डी) पीठासीन हुए]

Mr. Speaker (Shri N. Sanjiva Reddy) in the Chair

अध्यक्ष महोदय को बधाई

FELICITATIONS TO THE SPEAKER

श्री मोरारजी देसाई : यह हमारा सौभाग्य है कि सदन ने श्री एन० संजीव रेड्डी को अध्यक्ष के रूप में चुना है ।

श्री रेड्डी ने स्वतन्त्रता संग्राम में अपना योगदान देकर राष्ट्रीय जीवन में प्रमुख स्थान प्राप्त किया है । कुशल प्रशासक होने के अतिरिक्त वह एक प्रसिद्ध संसदक्ष भी हैं । चौथी लोक सभा में अध्यक्ष के रूप में उन्होंने सराहनीय कार्य किया था । छठी लोक सभा में अध्यक्ष के लिये उनका चुना जाना बहुत उपयुक्त है ।

भारतवासियों ने निडर होकर अपनी इच्छाओं को प्रकट किया है । नई संसद से जनता को बहुत आशाएं हैं । इस संसद् को न केवल गलत कार्यों को रद्द करना है बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि जनता की आशाओं को व्यवहारिक, आर्थिक और सामाजिक नीतियों के माध्यम से पूरा किया जाए ।

लोक सभा के गठन एवं स्वरूप में कल्पनातीत परिवर्तन हुआ है। मेरा सदा से विश्वास रहा है कि प्रजातन्त्र तभी सही प्रकार चल सकता है जब सरकार तथा प्रतिपक्ष के बीच रचनात्मक सम्बन्ध हों। नीतियां राष्ट्र हित के अनुरूप होनी चाहिएं। मैं आशा करता हूं कि श्री संजीव रेड्डी की अध्यक्षता में लोक सभा जनता के अधिकारों एवं स्वतन्त्रता के लिये जागरूक रहेगी।

मैं अध्यक्ष महोदय को बधाई देता हूं।

श्री यशवन्तराव चव्हाण (सतारा) : मैं श्री संजीव रेड्डी को इस सभा का अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, आप 1967–69 में भी लोक-सभा के अध्यक्ष रहे हैं। भारतीय लोकतन्त्र में संसद् का विशष महत्व है और इसलिए आपको एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। मैं आपको बधाई देने के अतिरिक्त अपने दल की ओर से आपको पूरा-पूरा सहयोग देने का आश्वासन भी देता हूं और ऐसा करना प्रजातन्त्र के हित में है। आपने पहले भी बहुत अच्छा कार्य किया है और आशा है आप भविष्य में और भी अच्छा कार्य करेंगे।

Shri Jagjivan Ram (Sasaram): Sir, it is a matter of great pleasure that the House has elected a Speaker like you. Old Members know about your performance as a Speaker in the past.

The Composition and Character of the Lok Sabha have undergone a change. A regular opposition has emerged for the first time. The opposition is very essential for the smooth running of democracy. But it is also necessary that the ruling party and the opposition work together for the welfare of the people and the progress of the country.

Needless to say that you will discharge your duties in an impartial manner. I again felicitate you

श्री पी० के० देव (कालाहांडी) : मैं आपको अध्यक्ष पद सम्भालने पर बधाई देता हूं।

आप एक अच्छे अध्यक्ष रहे हैं और आपने सदन की उच्च परम्परा को बनाए रखा है। कल हमने संविधान की रक्षा करने की शपथ ली है और आपकी शक्तियां संशोधित संविधान के अनुसार और भी अधिक हैं। संविधान सम्बन्धी संशोधनों की न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती। गरीब आदमी को उच्च न्यायालय की शरण लेने से वंचित कर दिया गया है। इस पृष्ठभूमि में तथा चुनाव परिणामों को ध्यान में रखते हुए, आप सदन की कार्यवाही का मार्ग दर्शन करेंगे। अन्ततः जनता का स्थान सबसे ऊंचा है तथा उसकी आवाज़ को सदन में सुना जाना चाहिए।

आशा है आप निष्पक्ष रूप से कार्य करेंगे।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपको समर्थन देता हूं।

अध्यक्ष महोदय : मैं सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि वे इस समय विवादास्पद विषय न उठाएं क्योंकि हमें कार्यसूची के अनुसार कार्यवाही चलानी है।

कुछ माननीय सदस्य उठे

Some hon. Members rose.

श्री कृष्ण चन्द्र हाल्दर (दुर्गापुर) : श्री समर मुखर्जी मार्क्सवादी दल के नेता हैं। उनका नाम पुकारा जाए।

अध्यक्ष महोदय : मैं सबको बारी-बारी से बुलाऊंगा ।

श्री जार्ज जे० मैथ्यू : मैं केरल कांग्रेस संसदीय ग्रुप की ओर से अध्यक्ष महोदय को बधाई देता हूं।

श्री रेड्डी इस पद के लिये नए नहीं हैं । सभा की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने के लिये उनकी ख्याति से सभा के छोटे ग्रुपों को बड़ा सन्तोष हुआ है। हम जानते हैं कि पहले उन्होंने जब यह पद संभाला था तब उन्होंने छोटे ग्रुपों की ओर उचित ध्यान दिया था । आशा है अब भी वह उसी प्रथा को जारी रखेंगे।

मैं केरल कांग्रेस के सदस्यों की ओर से अध्यक्ष महोदय को बधाई देता हूं ।

श्री समर मुखर्जी (हावड़ा): मार्क्सवादी पार्टी की ओर से अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिये मैं आपको बधाई देता हूं ।

आपका चुनाव नई पृष्ठ भूमि एवं नई परिस्थिति में किया गया है । लोगों को बड़ी आशाएं लगी हुई हैं । हमें आशा है कि आप उनकी आशा के अनुरूप ही उतरेंगे । हमारा दल आप के कार्य के निर्वहन में आपको पूरा सहयोग देगा ।

श्री पी० जी० मावलंकर (गांधीनगर) : मैं अपने पूर्व परिचित अध्यक्ष महोदय को यह पद सम्भालने पर बधाई देता हूं । यह नया सदन नई आशाएं, नई चनौतियां एवं नई निष्ठा लिये हुए है । अध्यक्ष का कर्तव्य अशोक के "धर्मचक्र" को चलाये रखना है ।

मुझे विश्वास है कि मत-वैभिन्य को, जो कि लोकतन्त्र का सार है महत्व दिया जायेगा । किसी भी आवाज को चाहे वह केवल एक ही व्यक्ति की क्यों न हो किसी भी पक्ष द्वारा दबाया नहीं जाना चाहिए ।

आशा है कि अपने दीर्घकालीन संसदीय जीवन के अनुभवों के आधार पर आप एक मित्र, दार्शनिक तथा मार्ग दर्शक का कार्य करते रहेंगे । हमें विश्वास है कि आप सदन की गरिमा एवं प्रतिष्ठा बनाये रखने का पूरा यत्न करेंगे ।

इस अवसर पर बधाई देते हुए मैं परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि इस प्राचीन देश में हर स्थिति में हर समय लोकतन्त्र बना रहे ।

श्रीमती पार्वती कृष्णन (कोयम्बटूर) : मैं भारतीय साम्यवादी दल की ओर से आपको इस आसान पर सुशोभित होने पर बधाई देती हुं ।

निस्सन्देह यह पद आपके लिये नया नहीं है, परन्तु इस सभा में बहुत से सदस्य नये हैं इसलिये आपके मार्ग दर्शन का महत्व और भी बढ़ जाता है । मुझे विश्वास है कि सभा के कार्य कलाप के गरिमापूर्वक संचालन में आप हमारी सहायता करेंगे ।

मैं आपको पूरे सहयोग का आश्वासन देती हूं ।

श्री अरविन्द बाला पजनौर(पांडीचेरी) : मैं अखिल भारतीय अन्ना-द्रुमुक की ओर से आपको बधाई देता हूं तथा आपकी सफलता की कामना करता हूं ।

मैं आशा करता हूं कि आप उच्च परम्पराओं को कायम रखते हुए लोकतन्त्री भावना को बढ़ावा देंगे । मैं अपने दल की ओर से पूरे सहयोग का आश्वासन देता हूं ।

इस देश में एक बार फिर लोकतन्त्र की विजय हुई है । हम संसद् में तथा बाहर एक रचनात्मक विरोधी पक्ष के रूप में कार्य करने का आश्वासन देते हैं ।

इस सभा में बहुत से नये सदस्य हैं । मुझे विश्वास है कि आप सभा का कार्य संचालन इस कुशलता से करेंगे कि संसदीय लोकतन्त्र को सफलता मिले ।

Shri Laxmi Narain Nayak (Khajaraho): I extend my hearty felicitations to fou on assuming the Speakership of this august house. The whole country is watching the deliberations of this house. We hope that this house would see through legislation that may rid the country of poverty, hunger and unemployment.

On behalf of the new members, I assure you full cooperation in preserving the dignity of the house.

***श्री ए० वी० पी० असाई थाम्बी** (मद्रास दक्षिण) : मैं अपनी ओर से तथा द्रुमुक की ओर से अध्यक्ष महोदय को इस पद पर आसीन होने पर हार्दिक बधाई देता हूं ।

इस अवसर पर मैं कहना चाहता हूं कि यदि द्रुमुक ने राष्ट्रपति के निर्वाचन में आपको समर्थन दिया होता तो भारत का इतिहास भिन्न होता तथा देश को 19 महीने का कुशासन न देखना पड़ता ।

मुझे आशा है कि आपके मार्गदर्शन में प्रजातांत्रिक मूल्यों का विकास होगा । मैं द्रुमुक की ओर से आपको सहयोग का आश्वासन देता हूं ।

अध्यक्ष महोदय : माननीय सहृदयों ने मुझे लोक सभा के अध्यक्ष के उच्च पद पर निर्वाचित करके मुझ में जो विश्वास व्यक्त किया है उसके लिये मैं उनका हृदय से आभारी हूं ।

जिन नेताओं ने मेरे बारे में विचार व्यक्त किये हैं मैं उनका धन्यवाद करता हूं ।

मुझे पता है कि मुझे अपने कर्त्तव्यों का पालन करने में कितनी जिम्मेदारियां निभानी हैं । मैं आशा करता हूं कि आपने मुझमें जो विश्वास व्यक्त किया है मैं उसके अनुरूप उतरूंगा । सदन में दोनों ओर से माननीय सदस्यों ने मेरे प्रति विश्वास की जो भावनाएं व्यक्त की हैं उससे मुझें भविष्य के लिए साहस और विश्वास प्राप्त हुआ है । उस समय भी मुझे सभी दलों का सहयोग मिला और मैं कर्त्तव्यों का निष्पादन संतोषजनक ढंग से कर सका । अब भी आपके विश्वास और स्नेह से मैं हर प्रकार की परिस्थितियों का मुकाबला करने में सक्षम रहूंगा । लोकतांत्रिक मूल्यों में मेरा विश्वास है और मुझे भरोसा है कि सदन में प्रत्येक दल के सहयोग के फलस्वरूप मेरा काम उतना कठिन नहीं रहेगा ।

लोकतांत्रिक-विश्व में सबसे बड़े निर्वाचन के दौरान 32 करोड़ लोगों ने भाग लेकर यह सिद्ध कर दिया है कि हमारे देश में लोकतंत्र की जड़े मजबूत हैं । समूचे विश्व में हमारी प्रशंसा हुई है । राष्ट्रीय एकता या राज्य के ढांचे क हानि पहुंचाये बिना हम शांतिपूर्ण राजनीतिक परिवर्तन में सक्षम हैं, यह सिद्ध हो गया है ।

अध्यक्ष के रूप में मैं अपने कर्त्तव्यों से अपरिचित नहीं हूं । मैं सभा को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि अपने कर्त्तव्यों की अवहेलना न करूंगा और सभा की कार्यवाही का इस ढंग से संचालन किया

***तमिल में दिये गये भाषण के अंग्रेजी अनुवाद का संक्षिप्त हिन्दी रूपान्तर**

*Summerized translated version of English translation of speech delivered in Tamil.

जायेगा जिससे इस पवित्र संस्था की उच्चतम परम्परा को अक्षुण्ण रखा जा सके और अध्यक्ष पद की प्रतिष्ठा में वृद्धि हो ।

इसके साथ-साथ मुझे आशा है कि सभा में सभी दल और सभी सदस्य मुझे अपना सहयोग प्रदान करेंगे । सेवा और निष्ठा की भावना से ही हम प्रभावी लोकतांत्रिक पद्धति की सुदृढ़ नींव रख सकते हैं ।

मंत्रियों का परिचय

INTRODUCTION OF MINISTERS

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई): मैं मंत्रिमण्डल के उन सदस्यों का परिचय कराता हूं जिन्होंने शपथ ले ली है । इस समय सभी का परिचय नहीं कराया जा सकता क्योंकि उनमें से कुछ उपस्थित नहीं हैं । उनका परिचय कराने का सौभाग्य मुझे सोमवार को प्राप्त होगा ।

1 श्री प्रकाश सिंह बादल

2. श्री सिकन्दर बख्त

3. डा० प्रताप चन्द्र चन्दर

4. प्रो० मधु दण्डवते

5. श्री मोहन धारिया

6. श्री पी० रामचन्द्रन

7. श्री अटल बिहारी वाजपेयी

8. श्री रविन्द्र वर्मा

निधन सम्बन्धी उल्लेख

OBITUARY REFERENCE

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : अध्यक्ष महोदय, राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के निधन पर लोक सभा में शोक व्यक्त करने के लिए प्रस्ताव पेश करना मेरा दुःखद कर्त्तव्य है। स्वर्गीय राष्ट्रपति आरम्भ से ही पक्के राष्ट्रवादी और हमारे राजनीतिक जीवन में सज्जन पुरुष रहे हैं । वे विनम्र किन्तु राष्ट्र निर्माण के मूल्यों के प्रति सदैव वफादार रहे । इसीलिए उन्हें जनता का स्नेह भी प्राप्त हुआ । मुझे उन्हें जानने और उनके साथ कई वर्ष तक काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । अपनी सांस्कृतिक गरिमा और विनम्रता से उन्हों ने राष्ट्रपति पद को नवीन प्रतिष्ठा प्रदान की ।

लोक सभा उन्हें एक प्रबुद्ध सांसदविज्ञ के रूप में भी जानती है ।

उनके निधन से राष्ट्र ने विलक्षण प्रतिभायुक्त एक राजनीतिज्ञ को खो दिया है ।

मेरा अनुरोध है कि लोक सभा द्वारा व्यक्त संवेदना बेगम आबिदा अहमद और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के पास पहुंचाने के लिए अध्यक्ष से अनुरोध करने के लिए सभा में प्रत्येक दल हमारे साथ शामिल हो । मैं निम्नलिखित प्रस्ताव पेश करता हूं :—

"कि लोक सभा भारत के राष्ट्रपति श्री फखरुद्दीन अली अहमद, के आकस्मिक निधन पर अपना गहरा शोक प्रकट करती है और देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता तथा मानवता की सेवा के उन उच्च आदर्शों को, जिनमें उनकी निष्ठा थी, आगे बढ़ाने का संकल्प करती है ।"

श्री यशवन्त राव चव्हाण (सतारा): मैं भारत के महान सुपुत्र स्वर्गीय श्री फखरुद्दीन अली अहमद को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं । वह उन थोड़े से व्यक्तियों में से थे जिन्होंने स्वतंत्रता से पूर्व स्वाधीनता संग्राम में भाग लिया और देश के नवनिर्माण में भी हाथ बटाया । उन्होंने इंगलैंड में शिक्षा प्राप्त की थी परन्तु दिल्ली से सदा उन्होंने सम्पर्क बनाये रखा । उनमें दिल्ली की उर्दू संस्कृति की नफासत पूरी-पूरी भरी हुई थी ।

मेरा सम्बन्ध उनके साथ 15 वर्षों से भी अधिक समय से रहा है । वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे रहे । मंत्री के रूप में उन्होंने अनेक पदों को सुशोभित किया । उनकी स्नेहभरी मुस्कान लोगों का दिल जीत लेती थी ।

हमारा दुर्भाग्य है कि आज वह हमारे बीच नहीं हैं । व्यक्ति के रूप में और राष्ट्रपति के रूप में वह सदैव श्रद्धा के पात्र रहे । हम उन्हें एक महान भारतीय, महान कांग्रेसी और महान राष्ट्रपति के रूप में सदैव याद रखेंगे और उनके पद चिन्हों पर चलने का प्रयास करेंगे ।

Shri Jagjian Ram (Sasaram): Sir, the late President had identified himself with the beauty of the Indian Culture. He was not only a political Pandit but possessed a great deal of human values also. This was the reason of his popularity among the masses of India.

He was a Sportsman who took everything sportingly. He used to inspire confidence among his subordinates. He had immense faith in the Indian Culture. In his death we have lost a great man. I pay my homage to the departed soul.

श्री समर मुखर्जी (हावड़ा) : अध्यक्ष महोदय, अपने दल की ओर से मैं संवेदना व्यक्त करता हूं और स्वर्गीय राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं । वह साम्प्रदायिकता से ऊपर थे । उनके अचानक निधन से देश में शोक छा गया । निःसन्देह उनके निधन से हमने एक महान पुरुष खो दिया है ।

श्री के० माया तेवर (डिंडिगुल): श्रीमान् अखिल भारतीय अन्ना द्रमुक की ओर से स्वर्गीय राष्ट्रपति के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं ।

जैसा कि हम सभी को ज्ञात है कि स्वर्गीय राष्ट्रपति न केवल एक महान राजनीतिज्ञ थे वरन् वह एक अच्छे प्रशासक भी सिद्ध हुए । वह देश के प्रति पूरी तरह वफादार थे । एक महान शिक्षाशास्त्री के अतिरिक्त वह अच्छे दार्शनिक भी थे । इसके साथ-साथ वह एक सफल राष्ट्रपति भी थे । मैं उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

Shri G. M. Banatwalla (Ponnani): I on behalf of Muslim League, associate myself with the tributes that have been paid to the late President, Shri Fakruddin Ali Ahmed. Indeed, Shri Ahmed was bestowed with a lovable personality. He had a long and clean record of remarkable service to the nations. His sudden demise at this crucial hour, is an irrepairable loss for the country. I while paying tributes, also pray that the departed soul may rest in peace. His memory will remain always fresh in our minds.

I once again associate myself with the sentiments expressed in the House for the departed soul.

श्रीमती पार्वती कृष्णन् (कोयम्बटूर) : मैं भारतीय साम्यवादी दल की ओर से स्वर्गीय श्री फखरुद्दीन अली अहमद के निधन पर संवेदना व्यक्त करती हूं। स्वर्गीय राष्ट्रपति अल्पसंख्यकों तथा समाज के पिछड़े वर्गों के रक्षक थे। उन्होंने राष्ट्रीय आन्दोलन की श्रेष्ठ परम्पराओं को निभाया और उन में राष्ट्रीय एकता की भावना को जागृत किया जिसके फलस्वरूप वह अनेक प्रकार के विखण्डनकारी तत्वों तथा भाषायी एवं क्षेत्रीय मतभेदों पर विजय पाने में सफल हुये। आज उनका अभाव केवल उनके परिवार को ही नहीं अपितु सम्पूर्ण राष्ट्र को खल रहा है।

श्री समर गुह (कन्टाई) : राष्ट्रपति अहमद की मृत्यु से सम्पूर्ण देश को गहरा आघात पहुंचा है। स्वर्गीय श्री अहमद के साथ मेरे व्यक्तिगत सम्बन्ध इतने मैत्रीपूर्ण थे कि उनके निधन से मैं अपने व्यक्तिगत जीवन में क्षति का अनुभव कर रहा हूं। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के व्यक्तित्व से प्रभावित होकर अहमद साहिब भारत में राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन और राष्ट्रीय संघर्ष में उतरे। स्वर्गीय श्री अहमद सच्चे भारतीय तथा राष्ट्रवादी थे। उन्होंने महान् भारतीय संस्कृति की परम्पराओं का पालन किया। वह महान गरिमावान भावुक और मानवीय अनुभूति वाले व्यक्ति थे। उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते समय हम उनकी राष्ट्रीयता की प्रगाढ़ भावना को स्मरण किये बिना नहीं रह सकते।

श्री पी० के० देव (कालाहांडी) : मैं स्वर्गीय श्री फखरुद्दीन अली अहमद के दुखद निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। यह सत्य है कि जो जन्मा है, वह मरेगा भी, परन्तु मृत्यु के क्रूर हाथों ने श्री अहमद को हमारे बीच से उस समय उठा लिया जबकि उनकी सेवायें राष्ट्र के लिए अत्याधिक आवश्यक थी। इस महान व्यक्ति के निधन से इस देश के जनजीवन की बहुत हानि हुई है। श्री अहमद नम्रता तथा मानवता के प्रतीक थे। मैं स्वर्गीय राष्ट्रपति को अपनी श्रद्धांजलि तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

श्री सक्यारिया थोमस (कोटायाम) भूतपूर्व राष्ट्रपति का दुःखद निधन राष्ट्र की एक बड़ी हानि है। हम केरल कांग्रेस संसदीय दल के सदस्य शोकसंतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनायें अर्पित करते हैं।

Shri Balbir Singh (Hoshiarpur): I rise to pay my tributes on the sad demise of the late President. I would request the government to order an enquiry into the circumstances that led to the death of the late President.

श्री पी० जी० मावलंकर (गाँधीनगर) : मैं स्वर्गीय राष्ट्रपति को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिये खड़ा हुआ हूं। उनकी आकस्मिक मृत्यु से हमें बहुत धक्का पहुंचा है। वे सरल स्वभाव

के व्यक्ति थे और हर किस्म की हार तथा जीत को संयम के साथ ग्रहण करते थे। बेगम आबिदा अहमद तथा परिवार के अन्य सदस्यों को संवेदना संदेश भेजने में मैं सभा के साथ हूं।

अध्यक्ष महोदय : प्रधान मंत्री, विपक्ष के नेता तथा अन्य विरोधी दलों के सदस्यों ने श्री अहमद के निधन पर जो संवेदना प्रकट की है, उसमें मैं भी उनके साथ हूं। हम इनकी मृत्यु पर हार्दिक शोक प्रकट करते हैं। हम बेगम अहमद को अपनी हार्दिक संवेदनायें भेजते हैं।

मैं माननीय सदस्यों से स्वर्गीय राष्ट्रपति के प्रति सम्मान प्रकट करने हेतु खड़े होकर एक मिनट का मौन धारण करने का अनुरोध करता हूं।

सदस्य कुछ समय के लिये मौन खड़े रहे

The Members stood in silence for a short while

अध्यक्ष महोदय : प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है। स्वर्गीय श्री फखरुद्दीन अली अहमद के प्रति सम्मान प्रकट करने हेतु सभा सोमवार तक के लिये स्थगित की जाती है।

इसके बाद लोक सभा सोमवार 28 मार्च, 1977/7 चैत्र 1899 (शक) को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के समक्ष राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुये उपराष्ट्रपति के अभिभाषण के आधे घंटे बाद तक के लिये स्थगित हुई।

*The Lok Sabha then adjourned till half-an-hour after the Address **of the** Vice-President acting as President to the Members of both Houses of **Parliament** assembled together on Monday, 28 March 1977 Chaitra 7, 1899 (**Saka**).*

म०प्र०भ०स०मु०मि०(०रो०दि०—एल०एस०III—109 एल०एस०—12-4-77-200